कक्षा –12

विषय–काष्ठशिल्प

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

सत्र 2026–27

क्र0सं0	माह	इकाई	पाठ्यक्रम
1	अप्रैल	एक	अप्रैल से शिक्षण कार्य प्रारम्भ होगा । 1. सहयोग देने वाले यंत्र–इसके अन्तर्गत कार्य करने की मेज, बेन्च हुक, पिन बोर्ड, शूटिंग बोर्ड, माइटर बोर्ड, माइटर बाक्स बेन्च स्टापर, डावेल, डावेल प्लेट, कार्क रबर आदि का ज्ञान । 2. सफाई करने वाले यंत्र–इसके अन्तर्गत स्क्रेपर, रेगमाल तथा रेगमाल तैयार करने का ज्ञान ।
2	मई	एक दो	3. यंत्रों को तेज करना– इसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के यंत्रों को तेज करने का सम्पूर्ण ज्ञान। आयल स्टोन, आयल स्टोन स्लिप्स, सान लगाने की एमरी पहिया तथा पत्थर की पहिया का ज्ञान। 1. काष्ठशिल्प में प्रयोग होने वाली मशीनें– इसके अन्तर्गत वैण्ड सा मशीन, सर्कुलर सा मशीन, खराद मशीन, मोल्डिंग मशीन, मार्टिस मशीन, रन्दा करने की मशीन, रेगमाल मशीन, यूनिवर्सल उड वर्किंग मशीन आदि का ज्ञान।
3	जून		ग्रीष्मावकाश
4	जुलाई	दो तीन	2. धातु वस्तुएँ– इसके अन्तर्गत कील, पेंच, कब्जे, बोल्ट–नट, क्लैम्प, इमलिया–कुण्डा, ताले, इस्क्यूचियन, चटखनी, हत्था तथा मूठ, डोर बोल्ट, हुक तथा आई, स्टे, कास्टर्स, बाल कैच, फ्लश बोल्ट, मिरर क्लिप आदि का ज्ञान। **प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)।** 1. काष्ठशिल्प में प्रयोग होने वाली लकड़ियाँ– लकड़ी के प्रकार रंग, वजन प्रति घनफिट, प्राप्ति स्थान तथा प्रयोग। लकड़ियाँ जैसे– आम, शीशम, सागौन, देवदार, साखू चीड़, नीम, महुआ, तुन, इबोनी, रोजवुड, अखरोट, विजयसाल, बबूल, बीचवुड, ऐस, ओक, सेमल, बिर्च, हल्दू आदि।
5	अगस्त	तीन	2. प्लाईवुड– परिभाषा, प्रकार, बनाने की विधि तथा उसकी उपयोगिता आदि का ज्ञान। 3. काष्ठ परिरक्षण– परिभाषा, सुरक्षित रखने की विधि, काष्ठ परिरक्षण में प्रयोग होने वाले मसाले तथा काष्ठ परिरक्षी के गुण आदि का ज्ञान। **द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)।**
6	सितम्बर	चार	1. डस्ट बोर्ड, हार्डबोर्ड, सनमाइका तथा फेवीकोल का साधारण ज्ञान। 2. लकड़ी तथा लट्ठे नाप ज्ञात करना। लकड़ी तथा लट्ठे का मूल्य निकालने की विधि का ज्ञान । 3. मानक मापः घरेलू सामग्रियों की मानक माप का ज्ञान। जैसे– साधारण सन्दूक, आलमारी, मेज, कुर्सी स्टूल, तखत, चारपाई, सेन्टर टेबुल, पलंग, ड्राइंग बोर्ड, पेग टेबुल, डाइनिंग टेबुल आदि।
7	अक्टूबर	पाँच	1. लकड़ी सुखाना–परिभाषा, सुखाने के प्रकार तथा उनका वर्णन। 2. लकड़ी के जोड़–जोड़ की परिभाषा, प्रकार, उनकी उपयोगिता,

			बनाने की विधि एवं उचित स्थानों पर उनका प्रयोग । **अर्द्धवार्षिक परीक्षा (लगभग 60 प्रतिशत पाठ्यक्रम के आधार पर)**
8	**नवम्बर**	छः	1. नमूनों, जोड़ों तथा यंत्रों का रूढ़ सममापीय या प्रामाणिक सममापीय प्रक्षेप चित्र बनाना। 2. जोड़ों, नमूनों तथा यंत्रों आदि का समलेखीय प्रक्षेप या लाम्बिक प्रक्षेप चित्र बनाना। 3. यंत्रों, धातु सामग्री तथा जोड़ों आदि का मुक्त हस्त रेखा चित्र बनाना तथा उसमें काले व सफेद शेड देना। **तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)।**
9	**दिसम्बर**	**सात**	1. रेखाचित्र– रेखाचित्र के यंत्रों तथा रेखाचित्र में प्रयोग होने वाली रेखाओं का ज्ञान। 2. अक्षर लेखन– अक्षर लेखन का महत्व, तथा प्रकार। अंग्रेजी तथा हिन्दी के बड़े द्वापे वाले अक्षरों को ग्राफ विधि द्वारा लिखने का ज्ञान । हिन्दी भाषा तथा अंग्रेजी के अक्षरी की तिरही लिखाई करने की विधि। 3. (अ) पालिश पालिश के यंत्र, पालिश के पदार्थ, पालिश के प्रकार, पालिश तैयार करने तथा प्रयोग करने की विधि। स्टेनिंग, रेशे भरना, फ्यूमिंग, आयलिंग, तेल वाली लकड़ी पर पालिश करना, काष्ठ सामग्री से धब्बे हटाना, पुरानी पालिश बुड़ाना तथा पालिश करने से लाभ आदि का ज्ञान। **चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)**
10	**जनवरी**	**सात**	3.(ब) वार्निश–परिभाषा, वार्निश का अर्थ, वार्निश की उपयोगिता तथा आवश्यकता, वार्निश के प्रकार। वार्निश बनाने की विधि तथा अच्छे वार्निश के लक्षण। वार्निश के अन्तर्गत पैदा होने वाले प्रमुख दोष। वार्निश करने से लाभ आदि का ज्ञान । 3.(स) पेन्टिंग : पेन्टिंग की आवश्यकता, पेन्ट, अच्छे पेन्ट के लक्षण, पेन्ट हटाने के लिए सामान्य पदार्थ तथा पेन्ट करने से लाभ आदि का ज्ञान । शेष पाठ्यक्रम को पूर्ण करना। पढ़ाए गये पाठों की पुनरावृत्ति।
11	**फरवरी**		प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन।
12	**मार्च**		बोर्ड परीक्षा का आयोजन।